**Knowledgeable Research (KR) 2026, Special Vol., (5):01**
**ISSN: 2583-6633, CODEN: KRABAU**
**International open-access peer-reviewed refereed monthly journal**
**https://knowledgeableresearch.com/index.php/1**

# बाल साहित्य में कृत्रिम मेधा का प्रवेश

**श्रीकांत विलासगिर गोस्वामी**
**शोधकर्ता,पीपल्स कॉलेज नांदेड़**
**आबासाहेब पारवेकर महाविद्यालय यवतमाळ.**

**शोध सार**

*बाल साहित्य के क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) का प्रवेश एक नवीन एवं चर्चित विषय बन गया है। यह तकनीक कहानी निर्माण, पात्र सृजन, अनुवाद, भाषा सरलीकरण और यहाँ तक कि व्यक्तिगत पाठक के अनुरूप सामग्री तैयार करने में सहायक भूमिका निभा रही है। यह अवसर उपलब्ध कराते हुए कि यह प्रक्रिया को गतिशील बनाए एवं रचनात्मक संभावनाओं का विस्तार करे, इसके साथ ही यह गुणवत्ता, मौलिकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता तथा शिक्षा एवं मनोरंजन के बीच सही संतुलन जैसे गंभीर चुनौतीपूर्ण प्रश्न भी खड़े करती है। यह आलेख बाल साहित्य में एआई के बढ़ते उपयोग, इसके संभावित लाभ, चिंताओं और भविष्य की दिशा का एक विश्लेषण प्रस्तुत करता है।*

**बीज शब्द:** *कृत्रिम मेधा, बाल साहित्य, डिजिटल रचनात्मकता, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, कहानी निर्माण, साहित्यिक मौलिकता*

**Received: 11/12/2025**
**Accepted: 24/01/2026**
**Published: 31/01/2026**

***Corresponding Author:**
श्रीकांत विलासगिर गोस्वामी
**Email:** sshrigoswami0103@gmail.com

## प्रस्तावना

मानव की तरह सोच, ज्ञान या जानकारी और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित किया जा रहा है।जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता कहा जा सकता है। ‘‘कृत्रिम’ शब्द का अर्थ है बनावटी जैसे कृत्रिम ग्रह, कृत्रिम हँसी, नकली जैसे कृत्रिम सोना, कृत्रिम रत्न और ‘मेधा’ का अर्थ है धारण शक्ति, बुद्धि।’ हालांकि (एआई) का प्रभाव सकारात्मक है, फिर भी मानवीय संवेदना और अनुभव की कमी AI के सामने एक प्रकार की चुनौती भी है।

बाल साहित्य में कृत्रिम मेधा का प्रवेश एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। कहानी का निर्माण, व्यक्तिगत सूचना अनुसार कहानी का मनचाहा अंत करने की क्षमता (एआई) के माध्यम से सुलभ बनती जा रही है।

## भूमिका

बाल साहित्य सदैव से बच्चों के मानसिक, नैतिक और कल्पनात्मक विकास का सशक्त माध्यम रहा है। परंपरागत रूप से यह साहित्य लोककथाओं, परीकथाओं, नैतिक कहानियों और बाल-कविताओं तक सीमित रहा, किंतु 21वीं सदी में तकनीकी विकास, विशेषतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI) के आगमन ने बाल साहित्य की दुनिया को एक नया आयाम प्रदान किया है। आज बाल साहित्य केवल मुद्रित पुस्तकों तक सीमित न रहकर डिजिटल, इंटरैक्टिव कहानियाँ AI आधारित स्वरूप में सामने आ रहा है।

‘एनिमेशन शब्द मुख्यत्वः लैटिन शब्द ‘एनिमेयर’से आया है जिसका अर्थ है-जीवित रखना। एनिमेशन में अपने सपनों व कल्पनाओं की किरदारों को पुनर्जीवित कर सकते हैं जो कि इस प्रकार से हैं: चित्रों के माध्यम से,कठपुतलियों के माध्यम से या कंप्यूटर में मौजूद एनीमेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से इत्यादि।’1 इसी एनीमेशन की वजह से फिल्म या उसकी विजुअल्स देखने को मिलते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इसी एनीमेशन ने एआई का नया रूप धारण कर लिया है।

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अवधारणा:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह तकनीक है जिसके माध्यम से मशीनें मानव

की तरह सोचने, समझने, सीखने और निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त करती हैं। भाषा-प्रसंस्करण, चित्र-निर्माण, कहानी-निर्माण और संवाद क्षमता जैसे क्षेत्रों में AI ने उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि साहित्य, विशेषतः बाल साहित्य, इससे प्रभावित हुआ है।

'आगामी दशक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। विभिन्न उद्योगों की मूलभूत प्रक्रियाओं और उनके व्यवसाय मॉडल के प्रत्याशित परिवर्तन हो सकते हैं। विभिन्न क्षेत्र जैसे भी विनिर्माण,खुदरा बिक्री,परिवहन,वित्त,स्वास्थ्य देखभाल,कानून,विज्ञापन, बीमा,मनोरंजन और शिक्षा में एआई की क्षमता का लाभ उठाया जा सकता है।'2

**बाल साहित्य में कृत्रिम मेधा/बुद्धिमता AI का प्रवेश:**

बाल साहित्य (Children's Literature) में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रवेश एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। सन 2026 तक यह तकनीक केवल लेखन तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के पढ़ने के अनुभव को पूरी तरह बदल चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से रची गई बाल साहित्य की रचनाएं आज के डिजिटल युग में एक नया आयाम जोड़ रही है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई का उपयोग न केवल कहानी लिखने के लिए बल्कि उनके साथ रंगीन चित्र और ऑडियो जोड़ने के लिए भी किया जा रहा है। संगीत के क्षेत्र में भी कृत्रिम मेधा अपना असर छोड़ रही है।गीत लिखना तथा उसे संगीतबद्ध करना के कृत्रिम मेधा के माध्यम से आसान बनता जा रहा है।

**बाल साहित्य में AI का प्रवेश मुख्यतः निम्न रूपों में दिखाई देता है—**

**AI द्वारा कहानी निर्माण** – आज AI की सहायता से बच्चों के लिए सरल, रोचक और नैतिक कहानियाँ तैयार की जा रही हैं। कहानी का विषय कुछ भी हो एआई का माध्यम उसे सशक्त बनाने में बहुत सहायक बन रहा है।

**व्यक्तिगत रुचि आधारित साहित्य (Personalization)**– AI बच्चों की आयु, विविध भाषा, उनकी रुचि और समझ के स्तर के अनुसार कथा प्रसंग का विश्लेषण करके उनके लिए विशेष कहानी प्रस्तुत करता है। उदाहरण के लिए Story Jumper जैसे टूल बच्चों को अपनी पसंद की कहानी लिखने में और AI से चित्र Iiustration तैयार करने के लिए सुविधा देता है।

**डिजिटल चित्रकथाएँ** – परिवर्तन सृष्टि का नियम है।पहले जमाने में चित्रकारिता तैल चित्र उपयोग किया जाता था परंतु आज किसी रचनाकार को महंगे चित्रकारों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। AI कुछ ही क्षणों में कहानी के अनुसार आकर्षक और रंगीन चित्र बनाकर देता है। जिसकी बदौलत बाल साहित्य का प्रकाशन बहुत सस्ता और गतिमान हो गया है। तात्पर्य AI आधारित चित्रण से रंगीन, आकर्षक और जीवंत बाल साहित्य विकसित बनता जा रहा है।

**इंटरैक्टिव कहानियाँ** – बच्चे कहानी के पात्रों से संवाद कर सकते हैं, जिससे उनकी सहभागिता बढ़ती है।

सकारात्मक प्रभाव कृत्रिम मेधा की सहायता से अब ऐसी डिजिटल पुस्तकें उपलब्ध हो रही हैं जहां बच्चे कहानी के पात्रों से बात कर सकते हैं या कहानी का अंत अपनी पसंद के अनुसार बदल सकते हैं। गूगल किड्स स्पेस Google Kids Space जैसे प्लेटफार्म इस दिशा में नए अनुभव प्रदान कर रहा है। तात्पर्य यही है की बचपना छोड़ो वास्तविकता से जोड़ो ऐसी उक्ति का अविष्कार आज की घड़ी में आंखों देखा हाल बन गया है।

**शिक्षा और मनोरंजन का मिश्रण** – कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से शिक्षा में काफी हद तक सुधार एवं परिणाम दिखाई दे रहा है। कृत्रिम मेधा आधारित किताबें बच्चों को कठिन शब्दों का अर्थ समझने के लिए, वर्ण और भाषा का सही उच्चारण सीखने के लिए, भाषा का लिप्यांतरण करने के लिए, कहानी के बीच में ज्ञानवर्धक प्रश्नमंजूषा पूछने में कारगर सिद्ध हुई है।

**भाषा अनुवाद** – कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से दुनिया भर का प्रसिद्ध बाल साहित्य बच्चों को उनकी मातृभाषा में जैसे मराठी हिंदी गुजराती पंजाबी तमिल ओड़िआ बंगाली आदि भाषाओं में सहजता से

उपलब्ध हो रहा है।परिणाम स्वरूप एआई ने भाषा की कठिनता को सरलता में परिवर्तित कर दिया है। विश्व की किसी भी भाषा का बाल साहित्य खोज करने में अब ज्यादा समय नहीं लगता है।

**कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचित बाल साहित्य:**

आज कृत्रिम बुध्दिमत्ता के लिए असंभव ऐसा कुछ भी नहीं लग रहा है।बहरहाल एआई के माध्यम से नई डिजिटल क्रांति का अविष्कार हुआ है।

**प्रमुख प्रकाशित रचनाएं–**

**AI आधारित बाल पुस्तक –**

नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेला 2026 में ड्रीमलैंड पब्लिकेशंस(Dreamland Publication) छोटे बच्चों के लिए एक विशेष AI आधारित किताब लॉन्च की है,जो बच्चों को रोचकता से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में जानकारी देती है और सचेत भी करती है।

**डिजिटल कहानियाँ –**

Once Upon a Bot और Story Spark जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करके हिंदी में 'एआई पानीपुरी मशीन' और 'बुढ़िया का एआई बेटा' जैसी नैतिक कहानियां (Moral Stories) बनाई जा रही है।

**कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचित लघु बाल कहानी** शीर्षक 'चिंकू चूहा और जादुई रोबोट' 'एक बार चिंकू नाम एक छोटा चूहा था जिसे पनीर बहुत पसंद था। एक दिन उसे जंगल में एक चमकता हुआ छोटा रोबोट मिला।रोबोट ने चिंकू से कहा मैं तुम्हारी हर मुश्किल हल कर सकता हूं।' लेकिन जब रोबोट ने चिंकू को सारा पनीर बिना मेहनत के ला दिया, तो चिंकू बोर हो गया। अंत में उसने सीखा कि असली मजा तो अपनी मेहनत से लक्ष्य पाने में ही है।

**बाल साहित्य सृजन के लिए लोकप्रिय AI टूल्स (2026)–**

**StoryAI.in:** इस प्लेटफार्म के माध्यम से बच्चों की फोटो और नाम का उपयोग करके उन्हें कहानी का नायक बनाया जा सकता है।अपनी मनपसंद विषय पर कहानी का निर्माण एआई कर सकता है।

**Google Gemini:** गूगल gemini की सहायता से कहानियों में कस्टम आर्ट (चित्र) और ऑडियो भी शामिल किया जा सकता है।

**ReadKidz:** इस टूल के माध्यम से माता-पिता अपने बच्चों के लिए पत्रों की निरंतरता के साथ पूरी पिक्चर बुक बना सकते हैं।

**Doodle Tale:** यह टूल बच्चों द्वारा बनाए गए साधारण हल्के-फुल्के चित्रों (Doodles)को कहानियां और खेलों में बदल देता है।

**Oscar:** बच्चों को मुख्य पात्र बनाकर व्यक्तिगत कहानियाँ लिखने के लिए यह टूल बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

**बाल साहित्य में AI के प्रवेश से कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं—**

बच्चों की पढ़ने में रुचि बढ़ी है। मनोरंजन के माध्यम से शिक्षा असरदार बनती जा रही है। साथ ही कठिन विषयों की जितनी भी समस्याएं थी उन्हें और रोचक रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।बहुभाषी बाल साहित्य का विकास संभव हुआ है।ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों तक साहित्य की पहुँच बढ़ी है। परिणाम स्वरूप बाल साहित्य हिंदी साहित्य का अभिन्न अंग बनकर समस्त विश्व में अपनी अलग पहचान बनाने में सकारात्मक दृष्टिगोचर होता है।

**चुनौतियाँ–**

प्रत्येक विषय के लिए चुनौतियों का सामना करना ही पड़ता है इस बात से कृत्रिम मेधा भी अछूती नहीं है। हालाँकि AI का प्रभाव सकारात्मक है, फिर भी कुछ चुनौतियाँ भी हैं-

मानवीय संवेदना और अनुभव की कमी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। मौलिकता पर प्रश्न निर्माण होना यह कृत्रिम मेधा के लिए हमेशा के लिए चुनौती रहेगी।

बच्चों पर अत्यधिक तकनीकी निर्भरता का होना पुस्तक पढ़ने से ज्यादा तकनीकी माध्यम से सुनने और देखने का प्रभाव ज्यादा रहेगा। नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण होने की संभावना भी बड़ी चुनौती कही जा सकती है।

**निष्कर्ष**

बाल साहित्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रवेश एक ऐतिहासिक

Copyright: © The authors. This article is open access and licensed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/)

परिवर्तन है। यह न तो पूर्णतः हानिकारक है और न ही पूर्णतः लाभकारी। आवश्यकता इस बात की है कि मानव रचनात्मकता और AI तकनीक के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, ताकि बाल साहित्य बच्चों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बना रहे। भविष्य में मानव लेखक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सह-अस्तित्व ही बाल साहित्य को समृद्ध करेगा।

**संदर्भ सूची:**


1. ज्ञानदीप भाग 1, संपादक डॉ.श्रीकृष्ण काकडे, डॉ.निभा उपाध्याय,डॉ.तीर्थराज राय,डॉ.सुशांत ठोके प्रथम संस्करण 2024, राघव पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स नागपुर ,पृष्ठ संख्या 45
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक अध्ययन डॉ. सुनील कुमार शर्मा,प्रथम संस्करण 2024 वाणी प्रकाशन दिल्ली पृष्ठ संख्या 18
3. राजपाल हिंदी शब्दकोश, डा.हरदेव बाहरी, संस्करण: 2010, राजपाल एंड सन्ज़ कश्मीरी गेट दिल्ली
4. https://share.google/aimode/CX14U5J3QOBSCOvsT
5. दैनिक लोकमत का विशेषांक: AI की अदभुत दुनिया, जनवरी-2026
6. https://share.google/aimode/tG6sb3MDgaElcDsN5